समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

जयपुर को मिला वैश्विक मान, ट्रैवल + लेज़र की सूची मे बंना टॉप 5 टूरिज़्म सिटी

Publisher

Published on 22 Jul 2025

जयपुर | 22 जुलाई 2025:
राजस्थान की राजधानी **जयपुर** ने एक बार फिर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर दिया है। प्रतिष्ठित वैश्विक ट्रैवल मैगज़ीन **Travel + Leisure** द्वारा जारी **World's Best Cities in Travel 2025** की सूची में जयपुर को **दुनिया के शीर्ष पाँच पर्यटन स्थलों** में स्थान मिला है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए **राजस्थान सरकार की उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी** ने कहा:

> *"[illegible]"*

संवाददाता राजेश
चौधरी

□ सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक पर्यटन का संगम

जयपुर को यह वैश्विक पहचान उसकी **राजसी विरासत, भव्य महल, किले, शिल्पकला, रंग-बिरंगी संस्कृति** और **अतुलनीय मेहमाननवाज़ी** के चलते मिली है। इसके साथ ही **स्वच्छता, पर्यटक सुरक्षा, और सतत विकास आधारित पर्यटन मॉडल** ने भी

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया।

? राजस्थान को विश्व मानचित्र पर स्थापित करने का संकल्प

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आगे कहा:

> *“[illegible] – [illegible] **[illegible],** **[illegible], [illegible], [illegible]** [illegible]”*

? “World’s Best Cities” मे शामिल होना क्यों है खास ?

Travel + Leisure हर साल अपने पाठकों और विशेषज्ञों की राय के आधार पर विश्व की सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थलों की सूची जारी करता है। इस सूची में शामिल होना **पर्यटन संभावनाओं, निवेश आकर्षण, और वैश्विक साख** की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

? जयपुर की कुछ विशेषताएं:

- हवा महल, आमेर किला, सिटी पैलेस जैसी ऐतिहासिक धरोहरें
- विश्वप्रसिद्ध जयपुरी कला और शिल्प
- आतिथ्य और पर्यटन सेवाओं में उत्कृष्टता
- सफाई, ट्रैफिक प्रबंधन और पर्यटक-सुरक्षा में बेहतर सुधार
- सतत एवं इको-फ्रेंडली पर्यटन की दिशा में ठोस पहल

? निष्कर्ष:

जयपुर की यह उपलब्धि **न केवल राजस्थान बल्कि समूचे भारत के लिए गर्व का विषय** है। यह एक संदेश है कि यदि समर्पण, दूरदर्शिता और संस्कृति का संतुलन हो, तो भारतीय शहर भी वैश्विक मंच पर सर्वोच्च स्थान पा सकते हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.